टोपी

Question 1.
दर्जी ने पाँच फुदनों के बदले क्या लिया ?
(a) आधा कपड़ा लिया
(b) कुछ नहीं लिया
(c) एक टोपी ली
(d) एक रुपया लिया

▼ Answer

Answer: (b) कुछ नहीं लिया।

Question 2.
"मैं तुम्हें पूरी उजरत दूँगी" गवरइया ने किससे कहा ?
(a) कोरी से कहा
(b) दर्जी से कहा
(c) बुनकर से कहा
(d) धनिया से कहा

▼ Answer

Answer: (d) धुनिया से कहा।

Question 3.
"साव करे भाव तो चबाव करे चाकर" किसने कहा ?
(a) बुनकर ने कहा
(b) दर्जी ने कहा
(c) धुनिया ने कहा
(d) राजा ने कहा

▼ Answer

Answer: (a) बुनकर ने कहा।

Question 4.
राजा के चार टहलुये क्या-क्या नहीं कर रहे थे ?
(a) सिर पर चम्पी कर रहा था
(b) हाथ-पाँव की उँगलियाँ फोड़ रहा था
(c) पाँव दबा रहा था
(d) पीठ पर मुक्की मार रहा था

▼ Answer

Answer: (c) पाँव दबा रहा था।

Question 5.
गवरइया का मन क्या पहनने को करता था ?
(a) साड़ी
(b) टोपी
(c) कोट
(d) हार

▼ Answer

Answer: (b) टोपी
टोपी पहनने को करता था।

Question 6.
इनमें से मजदूरी के लिए किसने आधा सूत लिया ?
(a) धुनिया ने आधा सूत लिया
(b) बुनकर ने आधा सूत लिया
(c) कोरी ने आधा सूत लिया
(d) दर्जी

▼ Answer

Answer: (c) कोरी ने आधा सूत लिया।

Question 7.
गवरइया को रूई का फाहा कहाँ मिला ?
(a) धुनिया के यहाँ मिला
(b) घूरे पर मिला
(c) राजा के यहाँ मिला
(d) घोंसले में मिला

▼ Answer

Answer: (b) घूरे पर मिला।

Question 8.
दर्जी ने गवरइया की टोपी में कितने फूंदने जोड़े ?
(a) चार फुदने जोड़े
(b) दो फंदने जोड़े
(c) तीन फूंदने जोड़े
(d) पाँच फुदने जोड़े

▼ Answer

Answer: (d) पाँच फंदने जोड़े।

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

गवरा था तनिक समझदार, इसलिए शक्की। जबकि गवरइया थी जिद्दी और धुन की पक्की। ठान लिया सो ठान लिया, उसको ही जीवन का लक्ष्य मान लिया। कहा गया है-जहाँ चाह, वहीं राह। मामूल के मुताबिक अगले दिन दोनों घूरे पर चुगने निकले। चुगते-चुगते उसे रुई का एक फाहा मिला। "मिल गया-, मिल गया-, मिल गया-" गवरइया मारे खुशी के घूरे पर लोटने लगी।

Question 1.
गवरा तनिक समझदार होने के साथ-साथ कैसा था ?
(a) झक्की
(b) अकड़ दिखाने वाला
(c) शक्की
(d) मेहनती

▼ Answer

Answer: (a) शक्की ।

Question 2.
जिद्दी होने के साथ-साथ गवरइया कैसी थी ?
(a) नासमझ
(b) धुन की पक्की
(c) कुछ न करने वाली
(d) आलसी

▼ Answer

Answer: (b) धुन की पक्की

Question 3.
गवरइया किसे जीवन का लक्ष्य मान लेती थी ?
(a) जिराके लिए गवरा कहता उसे ही
(b) हर बात को
(c) दूसरे जो समझाते
(d) जो ठान लिया उसे ही लक्ष्य मान लेती थी।

▼ Answer

Answer: (d) जो ठान लिया उसे ही लक्ष्य मान लेती थी।

Question 4.
क्या मिलने पर गवरइया मारे खुशी के घूरे पर क्यों लोटने लगी ?
(a) उसे एक टोपी मिल गई थी
(b) उसे कपड़े का एक टुकड़ा मिल गया था
(c) उसे रुई का एक फाहा मिल गया था
(d) उसे पाँच फंदने मिल गए थे

▼ Answer

Answer: (c) उसे रुई का एक फाहा मिल गया था।

Question 5.
'मारे खुशी के' का अर्थ है-
(a) खुशी के कारण
(b) खुशी के नष्ट होने पर
(c) खुशी के मरने पर
(d) खुशी मिलने पर

▼ Answer

Answer: (a) खुशी के कारण

---

(2)

धुनिया बेचारा बूढ़ा था। जाड़े का मौसम था। उसके तन पर वर्षों पुरानी तार-तार हो चुकी एक मिर्जई पड़ी हुई थी। वह काँपते हुए बोला-"तू जाती है। कि नहीं, अभी मुझे राजा जी के लिए रजाई बनानी । है। एक तो यहाँ का राजा ऐसा है जो चाम का दाम चलाता है। ऊपर से तू आ गई फोकट की रुई धुनवाने।"

Question 1.
धुनिया किस उम्र का था ?
(a) जवान
(b) अधेड़
(c) बूढ़ा
(d) इनमें से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (c) बूढ़ा।

Question 2.
धुनिया के तन पर कैसी मिर्जई पड़ी हुई थी ?
(a) चादर
(b) वर्षों पुरानी तार-तार हो चुकी एक मिर्जई
(c) कमीज
(d) शाल

▼ Answer

Answer: (b) वर्षों पुरानी तार-तार हो चुकी एक मिर्जई।

Question 3.
धुनिया किस काम को पूरा करने में लगा था
(a) रुई धुनने में लगा था
(b) मन्त्री का काम कर रहा था
(c) उसे रानी के लिए रजाई बनानी थी
(d) उसे राजा जी के लिए रजाई वनानी थी

▼ Answer

Answer: (d) उसे राजा जी के लिए रजाई बनानी थी।

Question 4.
धुनिया की मिर्जई से क्या पता चलता है ?
(a) धुनिया वहुत गरीब है
(b) धुनिया बहुत अमीर है
(c) धुनिया बहुत कंजूस है
(d) धुनिया बहुत आलसी है

▼ Answer

Answer: (a) धुनिया बहुत गरीव है।

Question 5.
चाम का दाम चलाता का अर्थ है-
(a) कीमती सिक्का
(b) ऐसा सिक्का जिसकी कोई कीमत नहीं
(c) चमड़े का सिक्का
(d) बहुत सस्ते दामों में बेचना

▼ Answer

Answer: (b) ऐसा सिक्का जिसकी कोई कीमत नहीं।

---

(3)

मुँह माँगी मजूरी पर कौन मूजी तैयार न होता। 'कच्च-कच्च' उसकी कैंची चल उठी और चूहे की तरह "सर्र-सर्र' उसकी सूई कपड़े के भीतर-बाहर होने लगी। बड़े मनोयोग से उसने दो टोपियाँ सिल दीं। खुश होकर दर्जी ने अपनी ओर से एक टोपी पर पाँच फॅदने भी जड़ दिए। फँदने वाली टोपी पहनकर तो गवरइया जैसे आपे में न रही। डेढ़ टाँगों पर लगी नाचने, फुदक-फुदककर लगी गवरा को दिखाने, "देख मेरी टोपी सबसे निराली–पाँच फँदनेवाली।"

Question 1.
दर्जी की कैंची किस प्रकार चलने लगी थी ?
(a) दर्जी की कैंची 'कच्च-कच्च' चलने लगी थी
(b) दर्जी की कैंची 'चबर-चबर' चलने लगी थी
(c) दर्जी की कैंची 'सर्र-सर' चलने लगी थी
(d) दर्जी की कैंची 'खट्ट-खट्ट' चलने लगी थी

▼ Answer

Answer: (a) दर्जी की कैंची 'कच्च -कच्च' चलने लगी थी।

Question 2.
दर्जी ने खुश होकर क्या किया ?
(a) अपनी ओर से एक टोपी फोलतु सिलकर दे दी |
(b) अपनी ओर से एक मिर्जई सिल दी
(c) अपनी ओर से एक टोपी पर पाँच फँदने भी जड़ दिए
(d) अपनी ओर से एक कमीज सिल दी।

▼ Answer

Answer: (c) अपनी ओर से एक टोपी पर पाँच फँदने भी जड़ दिए।

Question 3.
फुदक-फुदककर गवरइया गवरा को क्या दिखाने लगी ?
(a) पाँच फुदने वाली चादर
(b) पाँच फुदने वाली टोपी
(c) पाँच फंदने
(d) बिना फुदने वाली टोपी

▼ Answer

Answer: (b) पाँच फुदने वाली टोपी।

Question 4.
दर्जी की सूई किसकी तरह सर्र-सर्र' करके चलने लगी।
(a) बिल्ली की तरह
(b) कबूतर की तरह
(c) हवा की तरह
(d) चूहे की तरह

▼ Answer

Answer: (d) चूहे की तरह।

Question 5.
मनोयोग का सही सन्धि विच्छेद छाँटकर लिखिए।
(a) मनो + योग
(b) मन + योग
(c) मनः + योग
(d) मनस + योग

▼ Answer

Answer: (c) मनः + योग।

---

(4)

एक सिपाही ने गुलेल मारकर गवरइया की टोपी नीचे गिरा दी, तो दूसरे सिपाही ने झट वह टोपी लपक ली और राजा के सामने पेश कर दिया। राजा टोपी को पैरों से मसलने ही जा रहा था कि उसकी खूबसूरती देखकर दंग रह गया। कारीगरी के इस नायाब नमूने को देखकर वह जड़ हो गया- "मेरे राज में मेरे सिवा इतनी खूबसूरत टोपी दूसरे के पास कैसे पहुँची!" सोचते हुए उसे उलट-पुलटकर देखने लगा।

Question 1.
एक सिपाही ने गुलेल मारकर क्या किया ?
(a) गवरा की टोपी नीचे गिरा दी
(b) गवरइया की टोपी नीचे गिरा दी
(c) राजा की टोपी नीचे गिरा दी
(d) दूसरे सिपाही की टोपी नीचे गिरा दी

▼ Answer

Answer: (b) गवरइया की टोपी नीचे गिरा दी।

Question 2.
दूसरे सिपाही ने टोपी का क्या किया ?
(a) टोपी खुद पहन ली
(b) टोपी बेच दी
(c) टोपी फेंक दी
(d) टोपी राजा के सामने पेश कर दी

▼ Answer

Answer: (d) टोपी राजा के सामने पेश कर दी।

Question 3.
राजा टोपी को क्या करने वाला था ?
(a) राजा टोपी को बेचने वाला था
(b) राजा टोपी को ओढ़ने वाला था
(c) राजा टोपी को पैरों से मसलने वाला था
(d) राजा टोपी को फेंकने वाला था

▼ Answer

Answer: (c) राजा टोपी को पैरों से मसलने वाला था।

Question 4.
राजा क्यों दंग रह गया ?
(a) टोपी की खूबसूरती और कारीगरी देखकर
(b) सिपाहियों की चालाकी देखकर
(c) सिपाहियों की निशानेबाजी देखकर
(d) दर्जी की सिलाई देखकर

▼ Answer

Answer: (a) टोपी की खूबसूरती और कारीगरी देखकर।

Question 5.
'दंग रह जाना' का अर्थ है
(a) खुश होना
(b) आश्चर्य-चकित होना
(c) घबरा जाना
(d) नाराज होना

▼ Answer

Answer: (b) आश्चर्य-चकित होना।

---

(5)

राजा तो वाकई अकबका गया। एक तो तमाम कारीगरों ने उसकी मदद की थी। दूसरे, इस टोपी के सामने अपनी टोपी की कमसूरती। तीसरे, खजाने की खुलती पोल। इस पाखी को कैसे पता चला कि धन घट गया है ? तमाम बेगार करवाने, बहुत सख्ती से लगान वसूलने के बावजूद राजा का खजाना खाली ही रहता था। इतना ऐशो आराम, इतनी लशकरी, इतने लवाजिमे का बोझ खजाना सँभाले तो कैसे!

Question 1.
राजा के घबराने का कारण क्या था ?
(a) गवरइया को की गई सबकी मदद
(b) खजाने की खुलती पोल
(c) अपनी टोपी की कमसूरती
(d) उपर्युक्त सभी

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी।

Question 2.
राजा के खजाने की हालत कैसी थी ?
(a) बहुत अच्छी
(b) बहुत खराब
(c) खजाना पर्याप्त था
(d) कोई भी सत्य नहीं

▼ Answer

Answer: (b) बहुत खराब।

Question 3.
इनमें से कौन-सा कारण खजाने की कमी का नहीं है ?
(a) ऐशोआराम
(b) लशकर
(c) बचत करना
(d) नौकर-चाकरों बोझ

▼ Answer

Answer: (c) बचत करना।

Question 4.
बेगार करवाने, बहुत सख्ती से लगान वसूलने के कारण राजा कैसा माना जाएगा ?
(a) उदार
(b) क्रूर और अलोकप्रिय
(c) लोकप्रिय
(d) दयालु

▼ Answer

Answer: (b) क्रूर और अलोकप्रिय।

Question 5.
'पोल खुलना'-मुहावरे का अर्थ है
(a) जानकारी मिलना
(b) असलियत प्रकट होना
(c) जानकारी बढ़ना
(d) मुसीबत दूर करना

▼ Answer

Answer: (b) असलियत प्रकट होना।